Session 2026–27

Two Year Diploma in Performing Art-II (T.D.P.A.-II)

Tabla

S.No.	Paper Description	Maximum	Minimum
01.	Theory Paper- I	100	33
02.	Practical – Demonstration & Viva	100	33
	Grand Total	200	66

सत्र 2026–27

दो वर्षीय डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट–अंतिम वर्ष

तबला

शास्त्र

समय : 3 घंटे

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

इकाईः–1

1. भारतीय वाद्यों के वर्गीकरण का विस्तृत अध्ययन।
2. अवनद्ध वाद्यों की उत्पति व विकास का ऐतिहासिक अध्ययन।

इकाईः–2

1. पं. पलुस्कर ताल पद्धति का अध्ययन व पाठ्यक्रम के तालों को पं. पलुस्कर ताल लिपि में लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. मार्गी एवं देशी ताल पद्धाति का विस्तृत अध्ययन।

इकाईः–3

1. तबले के घरानों की जानकारी तथा घरानों की वादन शैली की विशेषताऐं।
2. ताल के दस प्राण का विस्तृत अध्ययन।

इकाईः–4

1. गायन, वादन, नृत्य के साथ तबला संगति के सिद्वान्त।
2. कायदे एवं रेले के रचना सिद्वान्त व प्रस्तार नियम।

इकाईः–5

1. निम्नलिखित घन एवं अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णन।
   1. घंटा, कांस्यताल, चिपली,,जयघंटा, मंजीरा, झांझ।
   2. पखावज, खोल, ढोलक, खंजरी, डफ, नाल।

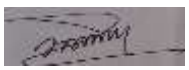
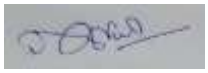
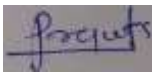

सत्र 2026–27

दो वर्षीय डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट अंतिम वर्ष

तबला

प्रायोगिक

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

1. पिछले पाठ्यक्रम में सीखे गये तालों त्रिताल, झपताल, रूपक एवं एकताल में पेशकार, कायदे, रेला, टुकडे, चक्रदार, फरमाईशी, चक्रदार व परन का लहरे साथ स्वतंत्र वादन।
2. ठेके के माध्यम से लयकारी का प्रदर्शन। (कुआड़, आड़)
3. विभिन्न घरानों की बंदिशों को पढ़ने व बजाने का अभ्यास।
4. त्रिताल, एकताल, तिलवाड़ा, झूमरा, आड़ाचौताल, दीपचंदी, चौताल व धमार तालों के ठेके संगत की दृष्टि से उपयुक्त लयों में बजाने का अभ्यास।
5. सुगम संगीत में प्रयुक्त तालों के ठेके तथा लग्गी, लड़ी, तिहाई बजाने का अभ्यास।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 व 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल परिचय भाग 1 व 2 – श्री गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव
4. ताल वाद्य शास्त्र – डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे